ओडिशा के अफसरों को रिश्वत देने का आरोप झूठा : बीजद
पेज-11

राष्ट्र प्रथम की भावना भारत की प्रगति की कुंजी : मुर्मु
पेज-13

पूरी दुनिया एक परिवार है, हजारों वर्षों से भारत का यह भाव रहा है। अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।
-योगी आदित्यनाथ@myogiadityanath

दूरसंचार साइबर सुरक्षा से जुड़े नियम अधिसूचित हुए
पेज-09

नगर संस्करण

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

रश्मिका मंदाना का सगाई का पुराना वीडियो वायरल
पेज-14

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ
शनिवार ● 23 नवम्बर ● 2024
पृष्ठ 14+4 (हस्तक्षेप), मूल्य ₹ 4.00

सराफा लखनऊ सोना (प्रति 10 ग्राम) ₹ 84,400 | चांदी (प्रति किलो) ₹ 93,300 | शेयर सेंसेक्स 79,117 + 1961 | निफ्टी 23,907 557 | विनिमय दर ₹/$ 84.44 + 0.06 | मौसम (लखनऊ) तापमान अधिकतम 27.4 | न्यूनतम 12.3

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित 701 वन दरोगाओं के नियुक्ति-पत्र वितरण हेतु आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। पूर्ण विश्वास है कि आप सभी राज्य के प्रति, राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे। चयनित सभी अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं!
—योगी आदित्यनाथ, सीएम

क्लीनिकल ऑडिट से बढ़ेगी चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता : डा. महालक्ष्मी

लखनऊ (एसएनबी)। चिकित्सा से जुड़ी तमाम जानकारी इंटरनेट गूगल पर मौजूद है लेकिन इसका प्रयोग मरीज के इलाज पर नहीं किया जा सकता है। यह जानकारी पुण्डुचेरी की डॉ. महालक्ष्मी वीएन ने शुक्रवार को एराज मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 15वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि डाक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की क्लीनिकल क्षमता को बढ़ाना जरूरी है। चिकित्सा संस्थानों में क्लीनिकल ऑडिट होना चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि मरीजों की सुरक्षा की दिशा में क्या कदम उठाए जा सकते है, गलतियां कहां हो रही है। इन गलतियों को सुधार के लिए क्या किया जाए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा सम्मेलन

डाक्टरों को प्रैक्टिस करके सीखना चाहिए न की गूगल से। गूगल पर बहुत ज्ञान पड़ा है लेकिन उसका चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग नहीं किया जा सकता है। ऐसा करने से मरीज की जान खतरे में पड़ सकती है। अस्पताल में काम करके डाक्टरों की क्षमता में निखार आता है। डाक्टर वार्ड में जाकर मरीज का इलाज करके इलाज का तरीका सीख सकता है। मरीजों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए जरूरी है कि अस्पताल में मरीज का प्रोफाइल बनाएं। पूर्व डॉक्टर को यह जान लेना चाहिए कि मरीज को कोई दवा रिएक्ट तो नहीं करती है। डा. थामस चेको ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मानक बने हुए है। उनका पालन करना सुनिश्चित किया जाए। हर मरीज के लिए एक ही प्रकार के मानक नहीं हो सकते हैं। एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अब्बास अली मेहदी ने कहा कि संस्थान को बेहतर बनाने में फैकल्टी का विकास जरूरी है। उप कुलपति डॉ. फरजाना मेहदी ने कहा कि हेल्थकेयर और मेडिकल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका बढ़ी है। एआई मेडिकल क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। नासिक स्थित महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस की कुलपति डा. माधुरी कनितकर ने कहा कि मेडिकल संस्थानों में पढ़ाई के साथ इलाज होता है, इसलिए तकनीक और ज्ञान का साझा करना जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. पायल को एकेडमी आफ हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन एएचपीई का नया अध्यक्ष चुना गया। वर्तमान अध्यक्ष डा. चेतना देसाई ने यह घोषणा की।